LOK SABHA

Tuesday, January 20, 1976/Pausa 30, 1897 (Saka)

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock

[MR. SPEAKER *in the Chair*]

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

रेलवे को हुई हानि

*185. **श्री भूल चन्द डागा** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या इस वर्ष रेलवे को हानि हो रही है ;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं और चालू वित्तीय वर्ष के अन्त तक कितनी हानि होने का अनुमान है ; और

(ग) क्या सरकार इस हानि के कारणों की रोकथाम के लिए उपाय कर रही है ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MOHD. SHAFI QURESHI): (a) to (c). The Revised Estimates for the current year and the Budget Estimates for the next year are in the process of finalisation. It is too early to indicate the precise position of end financial results for 1975-76. Full details will be submitted to the House when the Railway Budget for 1976-77 is presented.

श्री भूल चन्द डागा : 1963–64 में रेलवे में कुल खर्चा 2634.2 करोड़ रूपये था; जब कि 1973–74 में 4791·4 करोड़ रूपया खर्च हुआ। 1963–64 में एक कर्मचारी पर ऐवेरेज खर्च 1989 रूपये था, जब कि 1973–74 में वह खर्च 4033 रूपये हो गया। मेरा प्रश्न यह था कि क्या रेलवे लास पर चल रही है या नही। मंत्री महोदय ने पिछले बजट मे कहा था कि रेलवे को लाभ होगा। मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या रेलवे इस साल घाटे मे चल रही है या नही, इस घाटे के क्या कारण है और इन कारणों को दूर करने के लिए क्या कदम उठाये गये है।

अध्यक्ष महोदय, अगर आप हमे प्रोटेक्शन नही देंगे, तो मिनिस्टर लोग ठीक जवाब नहीं देंगे, या ईवेमिव रेलाई देंगे।

श्री मुहम्मद शफी कुरेशी : रेलवे मे मुनाफे या नुकसान का अन्दाजा महीने के महीने नही लगाया जाता है, बल्कि वह साल के आखिर मे लगाया जाता है। यह फिनाशल यीअर फरवरी मे खत्म होगा। श्री डागा कहते है कि नुकसान ही नुकसान होगा। लेकिन मुझे वैसी उम्मीद नही है। मुझे उम्मीद है कि हालात काफी सुधर गये हैं और काफी अच्छे होंगे।

SHRI M. C. DAGA: Sir, it will be seen that while the unit cost has gone up from 62 per cent to 136 per cent over the period 1961-62 to 1973-74 the unit earnings have increased by only about 47 per cent during the same period.

क्या मिनिस्टर साहब बतायेंगे कि इस एक्सपेंडीचर को करटेल करने के लिए रेलवे मंत्रालय और रेलवे बोर्ड ने कौन कौन से कन्क्रीट स्टेप्स लिये हैं ?

श्री मुहम्मद शफी कुरेशी: यह कोशिश तो लगातार रहती है कि हम खर्च कम करें और आमदनी बढ़ाने के जरिये को बढ़ावा दें। खर्च को कम करने का एक तरीका यह है कि नये मुलाजिमों की भर्ती को कम किया जाये। दूसरे, वर्कशाप में खर्च को कम किया जाये, फ्यूअल और कोयले को इकानोमी हो। इन बातों पर पूरा ध्यान दिया जा रहा है। मैं समझता हूं कि खर्च में कमी भी हुई है।

SHRI P. M. MEHTA: I would like to know from the hon. Minister whether it is a fact or not that because of slump in certain industries the traffic has considerably declined resulting into probable losses and because of the contracted purchasing capacity the consumer goods are not moving from one place to another causing decline in the traffic.

SHRI MOHD. SHAFI QURESHI: The traffic trends as indicated in December 1975 indicate that railways have loaded 17 million tonnes which is an all-time record. So, it is wrong to say, there is recession and goods are not moving. There is another all-time record, namely, 25,000 broad-gauge and about 6,000 metre-gauge wagons were loaded everyday in December.

श्री डी० एन० तिवारी : मिनिस्टर साहब प्राफिट और लास के एकाउंट अभी नहीं बता सकते। वह साल के अंत में ही देंगे। लेकिन वह ट्रैंड तो बता सकते हैं— पैसेंजर ट्रेफिक और गुड्स ट्रेफिक में नफे का ट्रैंड है या घाटे का ?

रेल मंत्री (श्री कमलापति त्रिपाठी): खर्च भी बढ़ा है और आमदनी भी बढ़ी है। नुकसान होगा या फायदे में रहेंगे, यह बजट के वक्त ही बतायेंगे।

SHRI SOMNATH CHATTERJEE: The Minister has told us that he is still in the process of computation of the total expenditure that has been incurred or will be incurred by the railways. May I know from the hon. Minister whether any scheme was put into force by the Ministry of Railways to give an increment or reward to the so-called loyal staff during the May, 1974 strike? To how many persons such awards were given and what is the total amount which has been spent on that and the recurring amount involved and also whether the sanction of the Ministry of Finance was taken for making those awards or increments?

SHRI MOHD. SHAFI QURESHI: This question does not arise from this question, but I would certainly say that loyal employees have been awarded and they will be awarded for their loyalty and the question of finding money is not a problem for the railways.

SHRI SOMNATH CHATTERJEE: The question arises out of the losses of the railways. We understand Rs. 11 crores have been spent like this.

SHRI MOHD. SHAFI QURESHI: I do not have the information available with me now. I will supply the same later on.

Agreements with O.P.E.C. for Joint Ventures in Oil Exploration

*192. SHRI P. NARASIMHA REDDY: Will the Minister of PETROLEUM be pleased to state:

(a) whether agreements have been concluded with Organisation of Pet-